पाठ 9: मेल-मिलाप और आशा
शास्त्र गीत: सदा आनन्दित रहो – 1 थिस्सलुनीकियों 5:16–18, फिलिप्पियों 4:6

क. **परमेश्वर से मेल-मिलाप**

1. कुलुस्सियों 1:19–20 — परमेश्वर से मेल-मिलाप होना क्या अर्थ रखता है?
2. परमेश्वर से मेल-मिलाप होने से पहले हमारी क्या स्थिति थी? कुलुस्सियों 1:21
3. यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर से मेल-मिलाप होने पर हमारे जीवन में क्या परिणाम दिखाई देते हैं? कुलुस्सियों 1:22
4. इस मेल-मिलाप की प्रक्रिया में हमें कौन-सा भाग निभाने के लिए बुलाया गया है? कुलुस्सियों 1:23; 2 पतरस 3:18
5. अनुग्रह में यह बढ़ोतरी कैसे संभव है? गलातियों 2:20; रोमियों 8:1–11; 2 कुरिन्थियों 5:17–20 आदि
6. परमेश्वर से मेल-मिलाप होने से पहले आपका जीवन कैसा था? परमेश्वर ने आपको कैसे छुड़ाया?

ख. **मसीह के अनुयायी के रूप में दुःख का अनुभव करना**

1. कुलुस्सियों 1:24–25 — पौलुस प्रेरित पत्र लिखते समय किस प्रकार के दुःख का अनुभव कर रहा था, जब वह कुलुस्सिया के मसीहीयों को यह प्रेरित पत्र भेज रहा था? (कुलुस्सियों 4:3, प्रेरितों के काम 28:16)
2. इस दुःख के समय परमेश्वर ने पौलुस के जीवन में किस प्रकार भलाई का कार्य किया? (प्रेरितों के काम 28:30–31, 2 तिमोथियुस 2:8–10, रोमियों 8:28 आदि)
3. अपने जीवन से कोई ऐसा समय साझा करें जब आपने यीशु के अनुयायी के रूप में दुःख झेला। उस दुःख के माध्यम से परमेश्वर ने आपके लिए कैसे भलाई का कार्य किया?

ग. **परमेश्वर का भेद प्रकट हुआ**

1. कुलुस्सियों 1:26 — यहाँ पौलुस जिस भेद की बात कर रहा है, वह क्या है? (देखें वचन 27, 2 कुरिन्थियों 5:21)
2. पौलुस का इफिसियों के मसीहीयों को लिखा गया पत्र हमें इस भेद को समझने में कैसे मदद करता है? (इफिसियों 1:7–10, 3:1–7) 7
3. आपने इस परमेश्वर के भेद को सबसे पहले कब समझा?
4. आपने 'तुम में मसीह, महिमा की आशा' के अनमोल उपहार के प्रति अपनी समझ और जागरूकता में कैसे बढ़ोतरी की है?

घ. **सुसमाचार की सामर्थ्य**

1. कुलुस्सियों 1:28 — परमेश्वर के भेद को दूसरों के साथ साझा करने में पौलुस का उद्देश्य क्या था?
2. "मसीह में सिद्ध होना" का अर्थ क्या है?
3. कुलुस्सियों 1:29 — पौलुस ने इस पवित्र कार्य के पूर्ण होने के तरीके को कैसे समझा?
4. नए नियम से कोई उदाहरण साझा करें जिसमें परमेश्वर ने किसी के साक्ष्य के माध्यम से शक्तिशाली रूप से कार्य किया।
5. अपने जीवन से कोई ऐसा समय साझा करें जब आपने परमेश्वर के अपार, अटूट प्रेम का संदेश साझा करने में शक्तिशाली रूप से उसके कार्य को देखा।